SKU शोध संचार

(INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL)

Impact Factor SJIF 2025 – 5.306

Vol-4, Issue-2 April - June 2026 E-ISSN: 2584-2900

भारतीय लघु चित्रकला पर मुगल प्रभाव

भक्ति अग्रवाल

सहायक प्राध्यापक (ललितकला)

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

सारांश

भारतीय लघु चित्रकला भारतीय कला परंपरा का एक अत्यंत समृद्ध और महत्वपूर्ण अध्याय है। इसमें सूक्ष्मता, रंग संयोजन, भाव अभिव्यक्ति और विषय विविधता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। भारतीय लघु चित्रकला का विकास विभिन्न राजवंशों के संरक्षण में हुआ जिसमें मुगल काल का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। मुगल शासकों ने फारसी, मध्य एशियाई और भारतीय कला परंपराओं के समन्वय से एक नई चित्रकला शैली को जन्म दिया, जिसे मुगल लघु चित्रकला के नाम से जाना जाता है। इस शैली ने भारतीय चित्रकला को नई तकनीक, यथार्थवाद, प्राकृतिक अध्ययन, चित्रांकन कौशल और दरबारी संस्कृति से जोड़ा। मुगल प्रभाव ने राजस्थानी, पहाड़ी और अन्य भारतीय चित्रकला शैलियों को भी प्रभावित किया। प्रस्तुत शोध पत्र में भारतीय लघु चित्रकला के विकास, मुगल प्रभाव, प्रमुख शासकों के योगदान, कला तकनीकों, विषय-वस्तु और सांस्कृतिक प्रभाव का विस्तृत अध्ययन किया गया है।

बीज शब्द

भारतीय लघु चित्रकला, मुगल कला, अकबर काल, जहांगीर काल, राजस्थानी चित्रकला, फारसी शैली, भारतीय कला संस्कृति।

1. प्रस्तावना

भारत की कला परंपरा अत्यंत प्राचीन और विविधतापूर्ण रही है। चित्रकला भारतीय संस्कृति, धर्म, समाज और इतिहास को अभिव्यक्त करने का एक प्रमुख माध्यम रही है। भारतीय चित्रकला की विभिन्न शैलियों में लघु चित्रकला (Miniature Painting) का विशेष स्थान है।

लघु चित्रकला छोटे आकार में बनाए गए ऐसे चित्र हैं जिनमें अत्यंत सूक्ष्म रेखांकन, बारीक विवरण, चमकीले रंगों और भावपूर्ण अभिव्यक्ति का प्रयोग किया जाता है। भारत में इस कला का विकास प्राचीन काल से होता आया, लेकिन मध्यकाल में मुगल शासन के दौरान इसे नई दिशा और पहचान प्राप्त हुई।

मुगल शासकों ने चित्रकला को राजकीय संरक्षण दिया और फारसी, भारतीय तथा मध्य एशियाई कला परंपराओं के मेल से एक विशिष्ट शैली विकसित की। मुगल चित्रकला ने भारतीय लघु चित्रकला को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्राकृतिक अध्ययन और यथार्थवादी शैली प्रदान की।

2. शोध के उद्देश्य

1. भारतीय लघु चित्रकला की अवधारणा और विकास को समझना।
2. मुगल कला शैली के भारतीय चित्रकला पर प्रभाव का अध्ययन करना।
3. प्रमुख मुगल शासकों के चित्रकला संरक्षण का विश्लेषण करना।
4. मुगल चित्रकला की तकनीक एवं विशेषताओं को समझना।
5. भारतीय कला एवं संस्कृति पर मुगल प्रभाव का अध्ययन करना।

3. शोध पद्धति

यह शोध पत्र ऐतिहासिक एवं वर्णनात्मक शोध पद्धति पर आधारित है। अध्ययन के लिए कला इतिहास से संबंधित पुस्तकों, शोध पत्रों, संग्रहालय सामग्री, कला आलोचनाओं एवं द्वितीयक स्रोतों का उपयोग किया गया है।

4. भारतीय लघु चित्रकला की अवधारणा

लघु चित्रकला ऐसी चित्र शैली है जिसमें छोटे आकार के चित्रों में अत्यधिक सूक्ष्मता और सजावटी तत्वों का प्रयोग किया जाता है। इन चित्रों में रंगों की चमक, महीन रेखाएँ और विषयों का विस्तृत चित्रण प्रमुख विशेषताएँ हैं। भारतीय लघु चित्रकला के प्रमुख विषय धार्मिक कथाएँ, राजदरबार, युद्ध दृश्य, प्रकृति चित्रण, पशुपक्षी-, प्रेम और संगीत, सामाजिक जीवन हैं।

5. मुगल चित्रकला का उद्भव

मुगल चित्रकला का प्रारंभ 16वीं शताब्दी में हुआ। मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर और उनके उत्तराधिकारी हुमायूँ ने फारसी कला परंपरा को भारत में स्थापित किया।हुमायूँ के समय फारसी कलाकारों को भारत बुलाया गया, जिन्होंने भारतीय कलाकारों के साथ मिलकर एक नई चित्र शैली विकसित की। मुगल चित्रकला में प्रमुख रूप से निम्न तत्वों का समावेश हुआ:

फारसी शैली की सजावट

भारतीय रंगों की विविधता

यथार्थवादी चित्रण

प्राकृतिक अध्ययन

मानव आकृतियों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति

6. अकबर काल में लघु चित्रकला का विकास

मुगल सम्राट अकबर कला प्रेमी शासक थे। उनके शासनकाल में चित्रकला को राजकीय संरक्षण मिला और मुगल चित्रकला का वास्तविक विकास हुआ। अकबर ने एक विशाल चित्रशाला (कला कार्यशाला) स्थापित की जिसमें भारतीय और फारसी कलाकारों ने मिलकर कार्य किया। प्रमुख चित्र परियोजनाएँ:

6.1 हम्जानामा -यह अकबर काल की सबसे प्रसिद्ध चित्र परियोजना थी। इसमें वीरता और रोमांच से संबंधित कथाओं को चित्रित किया गया।

6.2 अकबरनामा -इसमें अकबर के जीवन और युद्धों का चित्रण किया गया। अकबर काल की विशेषताओं में बड़े आकार के चित्र, कथात्मक शैली, अनेक पात्रों का चित्रण, भारतीय विषयों का समावेश हैं।

7. जहांगीर काल में मुगल चित्रकला की उत्कृष्टता

जहांगीर स्वयं कला प्रेमी और चित्रकला के अच्छे ज्ञाता थे। उनके समय मुगल चित्रकला अपने चरम पर पहुँची। जहांगीर काल की प्रमुख विशेषताएँ:

1. प्राकृतिक चित्रण -पक्षियों, पशुओं और पौधों का अत्यंत वास्तविक चित्रण किया गया।

2. व्यक्ति चित्रण -राजाओं, दरबारियों और प्रसिद्ध व्यक्तियों के चित्र बनाए गए।

3. सूक्ष्मता -चित्रों में भावनाओं और चेहरे की विशेषताओं को अत्यंत बारीकी से दिखाया गया।

प्रसिद्ध कलाकार: उस्ताद मंसूर, अबुल हसन

8. शाहजहाँ काल का प्रभाव

शाहजहाँ के समय मुगल कला में भव्यता और सजावट बढ़ी। इस काल के चित्रों में राजसी जीवन, दरबारी दृश्य, विलासिता, सुंदर वास्तुकला का अधिक चित्रण हुआ।

9. औरंगजेब काल और परिवर्तन

औरंगजेब के समय चित्रकला को पहले जैसी राजकीय सहायता नहीं मिली। इसके कारण कई कलाकार विभिन्न क्षेत्रीय दरबारों में चले गए। इन कलाकारों ने राजस्थानी चित्रकला, पहाड़ी चित्रकला, दक्कनी चित्रकला के विकास में योगदान दिया।

10. भारतीय चित्रकला पर मुगल प्रभाव

10.1 तकनीकी प्रभाव

मुगल कलाकारों ने भारतीय चित्रकारों को नई तकनीकें प्रदान कीं। जैसे -छाया और प्रकाश का प्रयोग, परिप्रेक्ष्य, यथार्थवादी चित्रण, चेहरे की बारीकियाँ आदि।

10.2 विषयों में परिवर्तन

मुगल प्रभाव से भारतीय चित्रकला में नए विषय आए। जिसमें दरबारी जीवन, ऐतिहासिक घटनाएँ, व्यक्ति चित्र, प्रकृति चित्रण प्रमुख हैं।

10.3 राजस्थानी चित्रकला पर प्रभाव

राजस्थानी चित्रकला ने मुगल शैली से कई तत्व ग्रहण किए। जिसमें रंग योजना, पोशाक शैली, वास्तु चित्रण, चेहरे की शैली हैं। हालाँकि राजस्थानी कला ने अपनी धार्मिक और लोक परंपराओं को बनाए रखा।

10.4 पहाड़ी चित्रकला पर प्रभाव

पहाड़ी चित्रकला में भी मुगल प्रभाव दिखाई देता है जैसे - प्राकृतिक सौंदर्य, भावनात्मक अभिव्यक्ति, सूक्ष्म रेखांकन आदि।

11. मुगल लघु चित्रकला की प्रमुख विशेषताएँ

1. सूक्ष्म रेखांकन
2. चमकीले रंगों का प्रयोग
3. प्राकृतिक एवं यथार्थवादी चित्रण
4. मानव भावनाओं की अभिव्यक्ति
5. सजावटी शैली
6. ऐतिहासिक घटनाओं का चित्रण
7. उत्कृष्ट हस्तकला

12. मुगल चित्रकला में प्रयुक्त तकनीक

मुगल चित्रकला में विभिन्न प्रकार की तकनीक का प्रयोग किया गया है।

रंग सामग्री - खनिज रंग, वनस्पति रंग, सोने और चाँदी का प्रयोग

उपकरण - महीन ब्रश, प्राकृतिक बालों से बने उपकरण

प्रक्रिया - चित्र निर्माण में कई कलाकार अलग-अलग कार्य करते थे जैसे रेखांकन कलाकार, रंग भरने वाला कलाकार, सजावट कलाकार आदि।

13. सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव

मुगल चित्रकला ने भारतीय समाज और संस्कृति को कई स्तरों पर प्रभावित किया।

सांस्कृतिक समन्वय - इसने फारसी और भारतीय संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित किया।

इतिहास संरक्षण - चित्रों के माध्यम से तत्कालीन समाज, वेशभूषा, वास्तुकला और जीवन शैली की जानकारी मिलती है।

कला शिक्षा - इस शैली ने भारतीय कलाकारों को नई तकनीकों और दृष्टिकोणों से परिचित कराया।

14. आधुनिक समय में मुगल लघु चित्रकला का महत्व

आज भी मुगल लघु चित्रकला भारतीय कला इतिहास का महत्वपूर्ण भाग है। इसका संरक्षण संग्रहालयों, कला संस्थानों, शोध केंद्रों द्वारा किया जा रहा है। यह शैली आधुनिक कलाकारों को भी प्रेरणा देती है।

निष्कर्ष

भारतीय लघु चित्रकला के विकास में मुगल प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। मुगल शासकों ने कला को संरक्षण देकर भारतीय और विदेशी कला परंपराओं के सुंदर समन्वय को जन्म दिया। अकबर, जहांगीर और शाहजहाँ के समय चित्रकला ने नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कीं। मुगल प्रभाव ने भारतीय चित्रकला को यथार्थवाद, तकनीकी उत्कृष्टता और विषय विविधता प्रदान की। इस प्रभाव के कारण राजस्थानी, पहाड़ी और अन्य क्षेत्रीय चित्रकला शैलियाँ भी समृद्ध हुईं।

इस प्रकार मुगल लघु चित्रकला केवल एक कला शैली नहीं बल्कि भारतीय सांस्कृतिक इतिहास में विभिन्न परंपराओं के मेल और रचनात्मक विकास का प्रतीक है।

संदर्भ सूची

1. निहार रंजन राय - भारतीय कला का इतिहास
2. कपूर, एस. - भारतीय चित्रकला का विकास
3. Percy Brown - Indian Painting Under the Mughals
4. Milo Cleveland Beach - The Imperial Image: Paintings for the Mughal Court
5. भारतीय कला एवं संस्कृति संबंधी शोध पत्र एवं संग्रहालय प्रकाशन